रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

जबलपुर, दिनांक 17/11/2014

आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की बैठक सोमवार, दिनांक 17/11/2014 को प्रकोष्ठ में मध्यान्ह 12:30 बजे आयोजित की गई। इस बैठक में निम्नलिखित सदस्यगण उपस्थित रहे। यथाः–

1. डॉ.के.एन.सिंह यादव, कुलपति
2. डॉ. एम.एस. अवास्या, कुलसचिव
3. श्री विश्वजीत झारिया, वित्त नियंत्रक
4. प्रो. अरूण कुमार, अधिष्ठाता, महाविद्यालयीन विकास परिषद्
5. प्रो. सुरेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण
6. प्रो. कमलेश मिश्रा, समन्वयक (NAAC)
7. प्रो. एस.एन. बागची
8. प्रो. आर.के. यादव
9. प्रो. राजीव दुबे
10. प्रो. शैलेश चौबे
11. प्रो. रामशंकर
12. प्रो. राकेष बाजपेयी
13. डॉ. ममता राव
14. डॉ. एच.के.टी. रजा
15. पं. विश्वनाथ दुबे
16. श्री पुरूषेन्द्र कौरव
17. डॉ. सौरभ बडेरिया
18. विशेष आमंत्रित सदस्यः– प्रो. एस.एस. सन्धु, डॉ. विशाल बन्ने
19. प्रो. अंजना शर्मा, समन्वयक, (IQAC)

बैठक के आरम्भ में आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ की संमन्वयक प्रो. अन्जना शर्मा ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया, तदुपरान्त निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार विमर्श कर सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिये गयेः–

- समन्वयक द्वारा आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ के उद्‌देश्यों व उनके क्रियान्वयन का विवरण प्रस्तुत किया गया।
- समन्वयक द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् ;छ।।ब्द्व के आगामी दौरे से सम्बन्धित तैयारियों की जानकारी प्रदान की गई। इस सम्बन्ध में आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों की अधिसूचना जारी की गई। निर्णय लिया गया कि दिनांक 25, 26, 27 नवम्बर 2014 को निर्मित पूर्व निरीक्षण समिति विभागों का दौरा कर तैयारियों को सम्पूर्ण स्वरूप प्रदान करेगी। विभिन्न सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् ;छ।।ब्द्व के आगमन से सम्बन्धित विभिन्न सुझाव दिये गये तथा पूर्व में दिये गये सुझावों के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई।
- 7 अगस्त 2013 को सम्पन्न बैठक में लिये गये निर्णयानुसार च्वाइस बैस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के संबंध में चर्चा की गई है। इस सम्बन्ध में आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति एवं संकाय अध्यक्षों की समिति द्वारा ब्यौरा प्रस्तुत कर स्वीकृति हेतु निर्देशित किया गया। समन्वय समिति की स्वीकृति के पश्चात् इसे लागू कर दिया जावेगा। इसी तारतम्य में सूचित किया गया कि डीन टेस्ट के माध्यम से अकादमिक प्रत्यास्थता सुनिश्चित की जाती है एवं अन्य विश्वविद्यालय के छात्रों को प्रवेश सम्बंधी प्रक्रिया पूर्ण की जानी है।
- निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठयक्रमों की सम्बद्धता सम्बन्धी किसी भी प्रकार की कमेटियों के निरीक्षण सम्बन्धी कार्य में आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ की सहभागिता सर्वप्रमुख होनी चाहिये।
- समस्त विभागों की विभागवार ई–मेल उपलब्ध हैं, जिन पर आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन द्वारा चाही गई जानकारी भेजी जाती है। उक्त जानकारी नियत समय सीमा में प्रकोष्ठ तक भेजी जाना सुनिश्चित किया जावे।

- समस्त विभागों की आवश्यकता, भौतिक एवं वित्तीय की सूचना आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ के माध्यम से सुचारू रूप से प्रेषित की जावे।
- विभागाध्यक्ष अपने विभाग के कर्मचारियों को नैक की निरीक्षण से सम्बन्धित तैयारियों हेतु प्रेरित करें।
- विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार व विभागों के प्रवेश द्वार पर ही विभाग से सम्बन्धित जानकारी अकादमिक सूची, पाठ्यक्रम तथा नक्शे के रूप में उपलब्ध हो, सुनिश्चित किया जावे।
- नैक के आगामी दौरे को ध्यान में रखते हुये विभागाध्यक्षों को वित्तीय अधिकार व स्थायी अग्रिम की व्यवस्था उपलब्ध करायी जावे।
- इसी तारतम्य में प्रशासनिक विभागों में भी सम्पादित होने वाले कार्यों की सूची सम्बंधित कक्ष के बाहर प्रदर्शित की जाये।
- प्रशासनिक प्रगति से सम्बन्धित जानकारी कुलसचिव द्वारा प्रस्तुत की गई।
- माननीय कुलपति जी द्वारा समिति के आगमन से सम्बन्धित तैयारियों में तेजी लाने तथा विभिन्न विभागों से प्राप्त जानकारी के संकलन के निर्देश दिये गये।

अंत में नैक समन्वयक द्वारा सभी का आभार प्रदर्शित किया गया। अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

डॉ.के.एन.सिहं यादव कुलपति	डॉ. एम.एस. अवास्या कुलसचिव	श्री विश्वजीत झारिया वित्त नियंत्रक	प्रो. अरूण कुमार, अधिष्ठाता, महा. विकास परिषद्
प्रो. सुरेन्द्र सिंह, अधिष्ठााता, छात्र कल्याण	प्रो. कमलेश मिश्रा, समन्वयक ;छ।।ब्द्ध	प्रो. एस.एन. बागची	प्रो. आर.के. यादव
प्रो. राजीव दुबे	प्रो. शैलेश चौबे	प्रो. रामशंकर	प्रो. राकेष बाजपेयी
डॉ. ममता राव	डॉ. एच.के.टी. रजा	पं. विश्वनाथ दुबे	श्री पुरूषेन्द्र कौरव

डॉ. सौरभ बडेरिया प्रो. अंजना शर्मा,
समन्वयक, (IQAC)